द्विवेदी युग

समयावधि- 1900 से 1920 ई . तक

- **नामकरण -** द्विवेदी युग आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी के नाम पर रखा गया|
- डॉ . नगेन्द्र ने द्विवेदी युग को ' जागरण - सुधार काल ' भी कहा है |
- द्विवेदी युग के जीवनी लेखक विनय मोहन शर्मा हैं|
- द्विवेदी युग में दो धारा उभर कर सामने आती है- द्विवेदी मंडल के कवि और द्विवेदी मंडल के बाहर के कवि |
- द्विवेदी मंडल के कवियों की काव्य धारा को ' अनुशासन की धारा ' तथा द्विवेदी मंडल के बाहर के कवियों को ' स्वच्छंदता की धारा ' कहा गया |
- द्विवेदी मंडल के प्रमुख कवि : द्विवेदी मंडल के कवियों में मैथलीशरण गुप्त , गया प्रसाद शुक्ल ' सनेही ' , गोपालशरण सिंह , लोचन प्रसाद पाण्डेय और महावीर प्रसाद द्विवेदी आते हैं |
- द्विवेदी मंडल के बाहर (स्वच्छंदता की धारा) के कवियों में श्रीधर पाठक , नाथूराम शर्मा ' शंकर ' ,

बालमुकुंद गुप्त , लाला भगवानदीन , राय देवीप्रसाद ' पूर्ण ' , सैयद अमीर अली ' मीर ' , कामता प्रसाद गुरु , गया प्रसाद शुक्ल ' सनेही ' रूप नारायण पांडेय , लोचन प्रसाद पांडेय , राम नरेश त्रिपाठी , ठाकुर गोपाल शरण सिंह , मुकुटधर पाण्डेय आदि प्रमुख

- स्वच्छंदता वादी काव्य की यही धारा आगे चलकर ' छायावाद ' में बदल जाती है |
- **द्विवेदी युग में ब्रजभाषा के प्रमुख कवि:** जगन्नाथदास ' रत्नाकर ' , सत्यनारायण ' कविरत्न ' , किशोरीलाल गोस्वामी , जगन्नाथ प्रसाद ' भानु ' आदि |

- **राष्ट्रीय काव्य धारा के प्रमुख कवि : -**द्विवेदी - युग में राष्ट्रीय काव्य धारा के अंतर्गत प्रमुख कवि- मैथलीशरण गुप्त , नाथूराम शर्मा ' शंकर ' , गया प्रसाद शुक्ल ' सनेही ' , राम नरेश त्रिपाठी तथा राय देवीप्रसाद ' पूर्ण ' आदि हैं |

- **द्विवेदी युगीन काव्य की प्रवृत्तियाँ :** जागरण – सुधार, राष्ट्रीयता की भावना , समस्या पूर्ति , नैतिकता एवं

आदर्शवाद , विषय - विस्तार , इतिवृत्तात्मकता / विवरणात्मकता व उपदेशात्मकता , प्रकृति चित्रण|

➢ **द्विवेदी युग के प्रमुख कवि :**

✸ अयोध्या सिंह उपाध्याय ' हरिऔध ' :

प्रिय प्रवास , पद्मप्रसून , चुभते चौपदे, चोखे चौपदे, वैदेही वनवास|

✸ मैथलीशरण गुप्त : साकेत , यशोधरा |

खण्ड काव्य - रंग में भंग , जयद्रथ वध , किसान , पंचवटी

भारत-भारती -मैथिलीशरण गुप्त जी की ऐसी काव्यकृति है, जिसे अंग्रेजों द्वारा प्रतिबंधित कर दिया गया था|

✸ श्यामनारायण पाण्डेय : हल्दीघाटी, जौहर

✸नाथूराम शर्मा ' शंकर ' : गर्भरण्डारहस्य, शंकर सर्वस्व, अनुराग रत्न , शंकर सरोज |

✸राम नरेश त्रिपाठी : मिलन , पथिक , स्वप्न ,मानसी|

✸महावीर प्रसाद द्विवेदी-
काव्य - मंजूषा , सुमन , कान्यकुब्ज - अबला - विलाप |

प्रमुख पत्रिकाएँ -

✸सरस्वती पत्रिका :- 1903 ई. से दिसंबर, 1920 ई. तक इन्होंने सरस्वती नामक मासिक पत्रिका का संपादन कर एक कीर्तिमान स्थापित किया था, इसीलिए इस काल को हिन्दी साहित्येतिहास में 'द्विवेदी-युग' के नाम से जाना जाता है|

✸सरस्वती पत्रिका के संस्थापक – चिंतामणि घोष

✸प्रथम सम्पादक - बाबू श्यामसुंदर दास

✸ द्वितीय सम्पादक – महावीर प्रसाद द्विवेदी

पत्रिका	संपादक	स्थान
सरस्वती	महावीर प्रसाद द्विवेदी	काशी
समालोचक	चंद्रधर शर्मा गुलेरी	जयपुर
इंदु	अम्बिकाप्रसाद गुप्त	काशी
प्रताप	गणेश शंकर विद्यार्थी	कानपुर
मर्यादा	कृष्णकान्त मालवीय	प्रयाग
प्रभा	कालूराम	खंडवा
सुदर्शन	देवकीनंदन खत्री	काशी
पाटलिपुत्र	काशी प्रसाद जायसवाल	पटना
अभ्युदय	मदन मोहन मालवीय	काशी

ज्ञानात् ग्रीवत्तः
✸ ||ज्ञानम् मनुष्यस्य तृतीय नेत्रम् || ✸